

00295

**MASTER OF ARTS (EDUCATION)/  
POST GRADUATE DIPLOMA IN  
EDUCATIONAL TECHNOLOGY (MA) (EDU) /  
(PGDET)**

**Term-End Examination**

**December, 2017**

**MES-031 : ET-AN OVERVIEW**

*Time : 3 hours*

*Maximum Weightage : 70%*

- 
- Note : (i) All questions are compulsory.  
(ii) All questions carry equal weightage.*
- 

1. Answer the following question in about 600 words.

Discuss the cybernetic and psycho-sociological phases of evolution of educational technology.

**OR**

Discuss the concept and importance of feedback with the help of examples.

2. Answer the following question in about 600 words.

What do you mean by cognitivism? Discuss the implications of cognitivism on teaching and learning.

**OR**

Discuss different kinds of teleconferencing.

3. Answer any four of the following questions in about 150 words each :

- (a) Discuss various approaches to integrate educational technology in curriculum design.
- (b) Discuss the application of systems approach in the teaching learning process.
- (c) Discuss the advantages of synchronous and asynchronous feedback.
- (d) Discuss criteria of mediated learning experiences.
- (e) Describe the nature and uses of virtual learning environment.
- (f) Describe policy guidelines for setting up community radio stations.

4. Answer the following question in about 600 words :  
Based on your experience as a student of ET, explain as to how ET :

- (a) makes learning individualised on one hand and on the other hand facilitate collaborative learning.
- (b) provides the scope for active learning through opportunities to search, locate, process and share information.
- (c) empowers learners and make education learner-centric.

Give examples in support of your answer.

शिक्षा में परास्नातक/शिक्षण प्रौद्योगिकी में परास्नातक  
डिप्लोमा ( एम.ए. ) ( शिक्षा )/( पी.जी.डी.ई.टी )

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2017

एम.ई.एस.-031 : शैक्षिक तकनीकी : एक विहगावलोकन

समय : 3 घण्टे

अधिकतम भारिता : 70%

नोट : (i) सभी प्रश्न करना अनिवार्य हैं।

(ii) सभी प्रश्नों की अधिभारिता समान है।

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :  
शैक्षिक प्रौद्योगिकी के उद्भव की साइबरनेटिक एवं मनो-  
समाजशास्त्रीय प्रावस्थाओं की चर्चा कीजिए।

अथवा

प्रत्युत्तर (फीडबैक) की संकल्पना एवं महत्व की चर्चा, उदाहरण  
देते हुए कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :  
संज्ञानवाद से आप क्या समझते हैं? अध्ययन - अध्यापन के  
संबंध में संज्ञानवाद के निहितार्थों की चर्चा कीजिए।

अथवा

विभिन्न प्रकार के दूरसम्मेलनों (teleconferencing) की चर्चा  
कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक) लगभग 150 शब्दों में दीजिए :

- (a) पाठ्यचर्या डिज़ाइनिंग में शैक्षिक प्रौद्योगिकी समाहित करने की दृष्टि से विविध दृष्टिकोणों की चर्चा कीजिए।
- (b) अध्ययन - अध्यापन प्रक्रिया में व्यवस्था (systems) संबंधी दृष्टिकोणों के अनुप्रयोग की चर्चा कीजिए।
- (c) समकालिक और असमकालिक प्रत्युत्तरों के लाभ लिखिए।
- (d) मध्यस्थतापरक अधिगम अनुभवों के मानदंडों की चर्चा कीजिए।
- (e) काल्पनिक (virtual) अधिगम परिवेश की प्रकृति एवं उपयोग का वर्णन कीजिए।
- (f) कम्यूनिटी रेडियो स्टेशन स्थापना के नीति संबंधी दिशा-निर्देशों का वर्णन कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

शैक्षिक तकनीकी के विद्यार्थी होने के नाते अपने अनुभव के आधार पर बताइए कि शैक्षिक तकनीकी कैसे :

- (a) एक तरफ अधिगम को हर विद्यार्थी के मुताबिक और दूसरी तरफ सहयोगपरक शिक्षा को सुगम या आसान कैसे बनाती है?
- (b) विविध प्रकार के अवसरों को खोजने, इनकी प्राप्ति के बिंदु का पता लगाने, प्रक्रिया और सूचना साझा करने के माध्यम से सक्रिय अधिगम का विस्तार कैसे करती है?
- (c) शिक्षार्थियों/विद्यार्थियों को सशक्त कैसे बनाती है और शिक्षा को शिक्षार्थी-केंद्रित कैसे बनाती है?

अपने उत्तर की पुष्टि, उचित उदाहरण देते हुए कीजिए।